UNIVERSITY NEWS 04 MAY 2026

DAINIK JAGRAN

हंगरी, पोलैंड व नाइजीरिया से भी लवि में प्रवेश के आवेदन

इस बार 64.2 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ अब तक आए विदेशी विद्यार्थियों के 3,421 आवेदन, एशियाई देशों ने दिखाई रुचि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की पहुंच धीरे धीरे वैश्विक होती जा रही है। यही वजह है कि सत्र 2026-27 के लिए यहां प्रवेश के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं के आवेदनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इस वर्ष न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के छात्रों ने भी लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए उत्साह दिखाया है। खास बात ये है कि सत्र 2025-26 के 2,083 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष अब तक 64.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ कुल 3,421 आवेदन आ चुके हैं, जबकि सत्र शुरू होने में अभी दो माह का समय शेष है।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया, और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में आवेदन मिले हैं। एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के छात्रों ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

यूरोपीय व अफ्रीकी देशों का रुझान : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लवि की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के छात्र यहां प्रवेश के लिए उत्सुक हैं। विशेषकर स्नातक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या भारत की मजबूत वैश्विक छवि और उत्तर प्रदेश की सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति को प्रमाणित करती है।

इन पाठ्यक्रमों में अधिक आवेदन : स्नातक में 2,552 आवेदन हैं, जिनमें बी.टेक में सबसे अधिक रुझान है। स्नातकोत्तर में 595 आवेदन में से सबसे ज्यादा एम.काम एवं एमए की मांग है। वहीं, 274 विदेशी विद्यार्थियों ने पीएच.डी के लिए भी आवेदन किया है। सभी पाठ्यक्रमों को मिलाकर 3,421 आवेदन हैं।

DAINIK JAGRAN

छूटे विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा 12 को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बी.काम छठे सेमेस्टर रेगुलर एवं सेल्फ फाइनेंस के छूटे हुए विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा 12 मई को दोपहर एक से तीन बजे तक आयोजित होगी। विद्यार्थियों को वाणिज्य संकाय के ओल्ड ब्लाक स्थित अधिष्ठाता कक्ष में समय से उपस्थित होने के लिए कहा गया है। अधिष्ठाता प्रोफेसर अर्चना सिंह ने इसकी सूचना जारी की है। वि.

बी.एससी के प्रैक्टिकल की समय सारिणी जारी

लखनऊ : लवि का कंप्यूटर साइंस विभाग बी.एससी सम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 11 से 16 तक आयोजित करेगा। शनिवार को इसकी सूचना जारी की गई। इसका समय सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक रहेगा। विस्तृत समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। वि.

DAINIK JAGRAN

लवि में 25 केंद्रों पर होंगी बीबीए और बीसीए की परीक्षाएं

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। इन परीक्षाओं के लिए लखनऊ, रायबरेली और सीतापुर मिलाकर 25 कालेजों को केंद्र बनाया गया है। वहीं, नोडल केंद्रों के रूप में छह केंद्र नामित किए गए हैं। इसकी सूची वेबसाइट पर जारी की गई है।

इनमें सीएसएन पीजी कालेज हरदोई, श्री नारायण सिंह महाविद्यालय, लवि द्वितीय परिसर, श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कालेज, हीरा लाल यादव गर्ल्स डिग्री कालेज, श्री जय नारायण डिग्री कालेज, शिया पीजी कालेज, कालीचरण पीजी कालेज, रामा डिग्री कालेज सहित अन्य केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों पर करीब 58 कालेजों के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए आवंटित किया गया है।

शास्त्री की परीक्षाएं 11 से : लवि ने शास्त्री चौथे व छठे सेमेस्टर एनईपी परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। इसके छठे सेमेस्टर परीक्षाएं 11 से 20 मई तक और चौथे सेमेस्टर की 12 से 25 मई तक आयोजित की जाएंगी।

DAINIK JAGRAN

मधुमेह के शुरुआती निदान में कारगर है डीएनए मिथाइलेशन बायोमार्कर

- लवि के जंतु विज्ञान विभाग ने शोध कर खोजा नया बायोमार्कर
- एल्सेवियर के अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'ह्यूमन जीन' में प्रकाशित हुआ शोध

अखिल सक्सेना • जागरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के शोधार्थी डा. आशिष कुमार शुक्ला ने प्रोफेसर मोनिषा बनर्जी के नेतृत्व में शोध कर एक नया बायोमार्कर खोजने में सफलता हासिल की है। इस अध्ययन में 'सुपर आक्साइड डिस्म्यूटेज' (एसओडी 1 और एसओडी 2) जीन के 'डीएनए मिथाइलेशन' को एक बायोमार्कर के रूप में पहचाना गया है। खास बात ये है कि यह तकनीक बीमारी के लक्षण सामने आने से पहले ही शरीर में होने वाले सूक्ष्म जेनेटिक बदलावों को पहचान लेती है। ऐसे में मिथाइलेशन आधारित बायोमार्कर का उपयोग मधुमेह के शुरुआती निदान में कारगर साबित होगा। यह विधि शरीर में मधुमेह के खतरे की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम है जिससे किसी भी उम्र में बीमारी को शुरुआती दिनों में ही रोका जा सके। यह शोध अंतरराष्ट्रीय पब्लिशर एल्सेवियर के अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'ह्यूमन जीन' में प्रकाशित हुआ है।

शोधार्थी डा. आशिष कुमार शुक्ला बताते हैं, डीएनए मिथाइलेशन एक ऐसी एपिजेनेटिक प्रक्रिया है, जो हमारे जीन की कार्यक्षमता को नियंत्रित करती है। यह प्रक्रिया स्थिर नहीं होती, बल्कि आसपास के वातावरण, प्रदूषण, तनाव व रोजाना के खान-पान जैसे पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित होकर बदल जाती है। शोध में पाया गया कि इन बाहरी कारणों से जीन की सक्रियता में बदलाव आता है, जो मधुमेह के खतरे को बढ़ा देता है।

कम उम्र में बढ़ रही बीमारी : शोध के अनुसार, पहले यह बीमारी उम्रदराज लोगों में देखी जाती थी, लेकिन अब 25-30 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के मेडिसिन विभाग के डा. कौसर उस्मान के सहयोग से यह अध्ययन किया गया, जिसमें जंतु विज्ञान विभाग की शोधार्थी कोमल अवस्थी का भी सहयोग रहा। अध्ययन के लिए केजीएमयू की ओपीडी से कुल 144 लोगों के रक्त के नमूने लिए गए, जिनमें 84 शुगर के रोगी व 60 सामान्य व्यक्ति शामिल थे। लवि की 'मालिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स लैब' में इन नमूनों से डीएनए निकालकर उनका विश्लेषण किया गया। शोध में मुख्य रूप से एंटीआक्सीडेंट जीन (एसओडी 1 और एसओडी 2) के स्तर और उनके मिथाइलेशन पैटर्न की जांच की गई।

शोध में सामने आए मुख्य तथ्य

शुगर रोगियों में एसओडी 1 और एसओडी 2 जीन की सक्रियता सामान्य व्यक्तियों की तुलना में काफी कम पाई गई। एसओडी 2 जीन के मिथाइलेशन में बदलाव देखा गया, जो यह संकेत देता है कि बीमारी के दौरान शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली प्रभावित हो रही है। शोध से स्पष्ट है कि हमारी जीवनशैली और आसपास का वातावरण सीधे हमारे जीन की कार्यप्रणाली को बदल सकते हैं, जिससे भविष्य में मधुमेह होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रोफेसर मोनिषा बनर्जी ने बताया कि भविष्य में इन मिथाइलेशन आधारित बायोमार्कर का उपयोग मधुमेह के शुरुआती निदान में क्रांतिकारी साबित हो सकता है।

शोधार्थी डा. आशिष कुमार शुक्ला

शोध की खास बातें

- बायोमार्कर के स्तर से पैंक्रियाज पर पड़ने वाले दबाव को समझा जा सकता है।
- लाइफस्टाइल के कारण होने वाली डिसऑर्डर की पहचान भी बायोमार्कर से हो सकती है।
- मुख्य व्यावसायिक व सामाजिक लक्ष्य 'अर्ली डायग्नोस्टिक किट' विकसित करना है।
- शुगर म्यूटेंट रेसिस्टेंस और लाइफस्टाइल के कारण भी होती है, ऐसे में यह विधि काफी हद तक इसे समझने में सक्षम है।
- खराब लाइफस्टाइल हो या अन्य शारीरिक कारण, उनका प्रभाव जीन की कार्यप्रणाली पर पड़ता है, जिसे यह बायोमार्कर पकड़ सकता है।

THE PIONEER

LU records surge in applications from international students

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

Lucknow University has recorded a surge in applications from international students for the academic session 2026-27. This year, not only students from neighbouring countries but also from European nations such as Hungary and Poland have shown strong enthusiasm for admission. Compared to 2,083 applications received in the previous 2025-26 session, the university has already received 3,421 applications this year, even though about two months remain before the session begins. V-C Prof JP Saini expressed his delight at this achievement, stating that the rise reflects the university's strong global academic standing and commitment to quality education.

He noted that the growing interest from students in Europe and Africa highlights India's positive global image and Uttar Pradesh's safe and supportive environment.

The university is steadily moving toward building a multicultural academic ecosystem where students from across the world can learn and share knowledge together, he added.

This year, alongside Hungary and Poland, a significant number of applications have also been received from African countries such as Nigeria, Tanzania and Botswana. Among Asian nations, students from Nepal, Vietnam, and Bangladesh have shown notable interest, with the highest number of applications coming from Bangladesh. For undergraduate courses, LU has received 2,552 applications (highest interest in BTech) and for post-graduate courses it has received 595 applications (MCom and MA most preferred).

I NEXT

एलयू की एकेडमिक इंटीग्रिटी फॉरेन स्टूडेंट्स को कर रही है अट्रैक्ट

I GOOD NEWS

LUCKNOW (3 May, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी की एकेडमिक इंटीग्रिटी लगातार विदेशी स्टूडेंट्स को अट्रैक्ट कर रही है. बीते वर्षों के कंपेरीजन में यूनिवर्सिटी में विदेशी स्टूडेंट्स की अप्लीकेशन की संख्या लगातार बढ़ रही है. नए एकेडमिक सेशन 2026-27 में एलयू में एडमिशन के लिए बड़ी संख्या में फॉरेनर स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया है.

हंगरी और पोलैंड से भी आवेदन

बीते साल सेशन 2025-26 में एडमिशन के लिए कुल 2083 फॉरेनर स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया था जबकि नए सेशन 2026-27 में एडमिशन के लिए अभी तक ही 3421 फॉरेनर स्टूडेंट्स अप्लाई कर चुके हैं. अभी तक श्रीलंका, अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के स्टूडेंट्स एलयू में एडमिशन के लिए ज्यादा इंटरेस्टेड थे लेकिन इस साल पोलैंड और हंगरी जैसे देशों के स्टूडेंट्स भी लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना चाहते हैं.

इन कोर्सेज में आ रहे आवेदन

एलयू एडमिशन कोऑर्डिनेटर प्रो. अनित्य गौरव की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, इस साल यूजी में एडमिशन के लिए 2552 अप्लीकेशन मिले हैं, जिसमें बीटेक में सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया है. वहीं पीजी में एडमिशन के लिए 595 अप्लीकेशन आई हैं. जिसमें एमकॉम और एमए जैसे कोर्सेज में एडमिशन में फॉरेनर स्टूडेंट्स ज्यादा इंटरेस्टेड हैं. इसके साथ ही पीएचडी के लिए अभी तक 274 अप्लीकेशन मिले हैं. हालांकि अभी अप्लीकेशन प्रोसेस जारी है और उम्मीद है कि इस साल यूनिवर्सिटी में फॉरेनर स्टूडेंट्स की संख्या बीते सालों के मुकाबले काफी ज्यादा देखने को मिलेगी.

ग्लोबल हब बनेगा एलयू

एलयू में विदेशी स्टूडेंट्स के बढ़ते रुझान को लेकर वीसी प्रो. जेपी सैनी का कहना है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के छात्र यहां एडमिशन के लिए उत्सुक हैं. विशेषकर स्नातक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या भारत की मजबूत वैश्विक छवि और उत्तर प्रदेश की सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति को प्रमाणित करती है. हम एक ऐसे बहुसांस्कृतिक वातावरण के निर्माण की ओर अग्रसर है, जहां दुनिया भर के छात्र एक साथ मिलकर ज्ञान साझा कर सकें.

- 3,421 — नए सेशन में एडमिशन के लिए मिले कुल अप्लीकेशन
- 2,552 — यूजी में एडमिशन के लिए मिले अप्लीकेशन
- 2,083 — बीते साल एडमिशन के लिए मिले कुल अप्लीकेशन
- 595 — पीजी में एडमिशन के लिए मिले अप्लीकेशन
- 274 — पीएचडी में एडमिशन के लिए मिले अप्लीकेशन

2026-27 सेशन में एडमिशन के लिए बड़ी संख्या में फॉरेनर स्टूडेंट्स ने किया अप्लाई.

इन देशों से आए आवेदन

ग्लोबल हब बनती यूनिवर्सिटी को इस साल हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया, और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में आवेदन मिले हैं. एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के छात्रों ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं.

BREAKING NEWS
सिटी की ब्रेकिंग न्यूज से रहें रियल टाइम अपडेट
जुड़िए हमारे वाट्सएप चैनल से
Scan करें यह QR Code और Follow करें हमारा चैनल.

AAJ

लखनऊ विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय छात्रों में बढ़ा क्रेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2026-27 के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आवेदनों में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय की वैश्विक साख और लाइट एंड लर्निंग के आदर्श वाक्य की गूंज अब सात समंदर पार तक सुनाई दे रही है। इस वर्ष न केवल पड़ोसी देशों बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के छात्रों ने भी लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए जबरदस्त उत्साह दिखाया है। पिछले सत्र में 2083 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष अब तक कुल 3421 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जबकि सत्र प्रारंभ होने में अभी दो माह का समय शेष है। एलयू के कुलपति प्रो जेपी सैनी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के छात्र यहाँ प्रवेश के लिए उत्सुक हैं। विशेषकर स्नातक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या भारत की मजबूत वैश्विक छवि और उत्तर प्रदेश की सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति को प्रमाणित करती है। हम एक ऐसे बहुसांस्कृतिक वातावरण के निर्माण की ओर अग्रसर है जहाँ दुनिया भर के छात्र एक साथ मिलकर ज्ञान साझा कर सकें। उन्होंने बताया कि ग्लोबल हब बनता विश्वविद्यालय इस वर्ष हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में आवेदन मिले हैं। एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के छात्रों ने विशेष रुचि दिखाई है जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में प्रवेश के लिए विदेशी छात्र उत्साहित, 3,421 ने किया आवेदन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2026-27 के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आवेदनों में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय की वैश्विक साख और 'लाइट एंड लर्निंग के आदर्श वाक्य की गूंज अब सात समंदर पार तक सुनाई दे रही है। इस वर्ष न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के छात्रों ने भी लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए जबरदस्त उत्साह दिखाया है। पिछले सत्र (2025-26) के 2,083 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष अब तक कुल 3,421 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जबकि सत्र प्रारंभ होने में अभी दो माह का समय शेष है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के छात्र यहां प्रवेश के लिए उत्सुक हैं। ग्लोबल हब बनता विश्वविद्यालय इस वर्ष हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया, और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में आवेदन मिले हैं।

एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के छात्रों ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

पाठ्यक्रमवार विवरण

- स्नातक (यूजी) : 2,552 आवेदन, बीटेक में सबसे अधिक रुझान।
- स्नातकोत्तर (पीजी): 595 आवेदन (एम.काम एवं एमए प्रमुख पसंद)
- पीएचडी : 274 आवेदन
- सभी स्तरों (यूजी+ पीजी+ पीएचडी) को मिलाकर कुल 3,421 छात्र

HINDUSTAN TIMES

LU sees surge in foreign applications for 2026-27

LUCKNOW: The University of Lucknow (LU) has recorded a sharp rise in applications from international students for the 2026-27 academic session, with aspirants from European countries such as Hungary and Poland joining applicants from neighbouring nations, spokesperson Mukul Srivastava said on Sunday.

The university has received 3,421 applications so far this year, compared to 2,083 during the 2025-26 session, even as nearly two months remain before the start of the new academic session. The highest number of applications has been received for undergraduate programmes, with BTech emerging as the most sought-after course. At the post-graduate level, MCom and MA programmes have attracted the maximum applications.

Vice-chancellor prof JP Saini said it is a testament to Lucknow University's global academic standing and commitment to quality education that students from European and African nations are eager to seek admissions here. "In particular, the growing number of international students at the undergraduate level validates India's robust global image as well as the secure and improved environment within UP. We are moving towards creating a multicultural environment where students from across the globe can come together to share knowledge," he added.

This year, LU has received applications from European nations such as Hungary and Poland, African countries including Nigeria, Tanzania and Botswana, as well as Asian countries including Nepal, Vietnam and Bangladesh. The highest number of foreign applications has been received from Bangladesh, the LU spokesperson said in an email on Sunday. HTC

COURSE-WISE BREAKDOWN

- UG: 2,552 applications (BTech in highest demand)
- PG: 595 applications (MCom and MA top choices)
- PhD: 274 applications

TIMES OF INDIA

NFSU students bag research award

Ujjwal Singh and Vidhushi Chitravanshu from National Forensic Science University won best research paper award in Justice VK Dixit Memorial National Conference and paper presentation at Lucknow University. Justice Subhash Vidyarthi of the Allahabad HC (Lucknow bench), underscored the importance of legal ethics, accessible justice, and the critical role of young professionals with TNN

LU sees surge in foreign student applications

Lucknow: Lucknow University has received a total of 3,421 applications from foreign students for the academic session 2026-2027, which is around 1,500 more than last year.

This year, students not only from neighbouring countries but also from European countries like Hungary and Poland have demonstrated tremendous enthusiasm for admission to Lucknow University.

"Compared to the 2,083 applications received in the previous session (2025-26), a total of 3,421 applications were received so far this year," said Lucknow University spokesperson Mukul Srivastava.

"This year, the university has received a significant number of applications from Hungary and Poland, Nigeria, Tanzania, Botswana, Bangladesh, Nepal and Vietnam, with the highest number of applications received from Bangladesh," he said. TNN

ON THE RISE

Total no. of foreign student applicants : 3,421

COURSE-WISE BREAKDOWN

- UG | 2,552
- PG | 595
- PhD | 274

UNIVERSITY NEWS 04 MAY 2026

AMAR UJALA

लविवि पर बढ़ा विदेशी विद्यार्थियों का भरोसा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2026-27 में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के नक्शे पर तेजी से उभरता दिख रहा है। इस बार विदेशी छात्रों के आवेदनों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले सत्र 2025-26 में लविवि में अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए जहां 2,083 आवेदन मिले थे, वहीं इस वर्ष अब तक 3,421 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

यानी इस सत्र में विदेशी छात्रों के आवेदन में सीधे-सीधे 64 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह उछाल न सिर्फ विदेशी छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी है, बल्कि विश्वविद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विश्वास का भी प्रमाण है।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि सत्र शुरू होने में अभी दो माह शेष हैं, ऐसे में इस आंकड़े के और बढ़ने के संकेत हैं।

दूरदराज देशों से आ रहे छात्र: लविवि में इस बार आवेदन का दायरा खासा व्यापक हुआ है। हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी आगे आए हैं। एशिया में बांग्लादेश, नेपाल और वियतनाम के विद्यार्थियों ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सबसे अधिक आवेदन बांग्लादेश से मिले हैं।

बीटेक में बढ़ा विदेशी छात्रों का रुझान: लविवि में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में विदेशी विद्यार्थियों के कुल 2,552 आवेदन मिले हैं जिसमें सबसे ज्यादा रुझान बीटेक में देखने को मिला। वहीं, पीजी के लिए 595 आवेदन आए। पीजी पाठ्यक्रमों में एमकॉम और एमए प्रमुख विकल्प रहे, जबकि पीएचडी में 274 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

बीते साल 2083 के मुकाबले इस बार आए 3421 आवेदन, स्नातक में बीटेक तो पीजी में एमकॉम के लिए बढ़ा रुझान

> लविवि की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित शैक्षणिक माहौल की महक देश की सीमाओं को लांघ कर दुनियाभर में पहुंच रही है। लविवि अब एक बहुसांस्कृतिक परिसर में तब्दील हो रहा है। - प्रो. जेपी. सैनी, कुलपति, लविवि

HINDUSTAN

हंगरी-पोलैंड के युवाओं की पसंद बना एलयू

21 सौ के करीब बीते साल आए थे आवेदन, इस बार 3,421 विदेशी छात्र इच्छुक

25 सौ के करीब आवेदन मिले हैं स्नातक स्तर पर, बीटेक बना युवाओं का पसंदीदा

बहुसांस्कृतिक वातावरण की ओर अग्रसर: कुलपति

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि एलयू की वैश्विक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के छात्र यहां आ रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश की सुरक्षित और बेहतर स्थिति को भी प्रमाणित करता है। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे बहुसांस्कृतिक वातावरण के निर्माण की ओर अग्रसर हैं, जहां दुनिया भर के छात्र एक साथ मिलकर ज्ञान साझा कर सकें।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। नवाबों के शहर की ऐतिहासिक विरासत और लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) की शैक्षणिक चमक अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी गूंज सात समंदर पार हंगरी और पोलैंड की गलियों तक जा पहुंची है। एलयू के शिक्षण से प्रभावित होकर इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय छात्रों में लखनऊ में शिक्षा पाने की होड़ है। सत्र 2026-27 के लिए आए आवेदनों ने अब तक के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय आवेदनों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। जहां पिछले सत्र (2025-26) में कुल 2,083 विदेशी छात्रों ने आवेदन किया था, वहीं इस साल यह संख्या अभी से 3,421 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि अभी सत्र शुरू होने में दो महीने का समय शेष है, जिससे इस संख्या के और भी ऊपर जाने की पूरी उम्मीद है। इस वर्ष की सबसे रोचक बात यह है कि केवल पड़ोसी देश ही नहीं, बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के छात्र भी लखनऊ की ओर रुख कर रहे हैं। इसके अलावा अफ्रीकी देशों नाइजीरिया, तंजानिया और बोत्सवाना से बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के छात्र रेस में सबसे आगे हैं, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

बीटेक में सबसे अधिक आवेदन

विदेशी छात्रों की पहली पसंद तकनीकी और प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े पाठ्यक्रम बने हुए हैं। स्नातक स्तर पर 2522 आवेदन मिले हैं। जिनमें बीटेक के लिए आवेदन सबसे अधिक हैं। वहीं पीजी पाठ्यक्रमों में 595 आवेदन मिले हैं, जिनमें एमकॉम और एमए के लिए सबसे ज्यादा आवेदन आए हैं। वहीं पीएचडी करने के लिए 274 विदेशी छात्रों ने रुचि दिखाते आवेदन किए हैं।

AAJ

एलयू में तृतीय गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट- 2026 का समापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में आयोजित हो रहे तृतीय स्वर्गीय श्री गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट -2026 का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव भारती इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थी को कुशल और योग्य बनाते हैं। विशिष्ट अतिथि जी ने बच्चों के व्यवहारिक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में शैलेन्द्र सिंह राजावत अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच रहे। कार्यक्रम का अभिभाषण प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर ने किया। इस फेस्ट में नेगोसिएशन में दिल्ली विश्वविद्यालय विजेता और राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय लखनऊ उपविजेता रहा और बेस्ट नेगोसीएटिंग पेअर का अवार्ड एनएलयू बैंगलोर को मिला। इसी तरह मेडिएशन में विजेता सिम्बोइसिस लॉ स्कूल, नोएडा और उपविजेता इंद्रप्रस्थ विश्विद्यालय रहा।

AMAR UJALA

नेशनल लॉ फेस्ट में डीयू रहा अव्वल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में आयोजित तीसरे स्व. गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट का रविवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव भारती ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को कुशल बनाते हैं, जबकि विशिष्ट अतिथि शैलेंद्र सिंह राजावत ने व्यावहारिक ज्ञान पर जोर दिया। नेगोसिएशन में दिल्ली विश्वविद्यालय विजेता और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ उपविजेता रहा, जबकि बेस्ट पेयर एनएलयू बंगलूरू को मिला। मेडिएशन में सिंबियासिस लॉ स्कूल नोएडा विजेता व इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उपविजेता रहा। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

नेशनल लॉ फेस्ट विजेता बना दिल्ली विवि

लखनऊ। एलयू के विधि संकाय में चल रहे तीसरे स्वर्गीय श्री गुमान सिंह राजावत नेशनल लॉ फेस्ट का समापन हुआ। मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ न्यायमूर्ति राजीव भारती ने कहा, कार्यक्रम विद्यार्थी को कुशल बनाते हैं। नेगोसिएशन में डीयू विजेता और राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय, लखनऊ उपविजेता रहा, बेस्ट नेगोसीएटिंग पेअर का अवार्ड एनएलयू बेंगलुरू को मिला।